ढोलेवार कुर्मी पटेल

लेखकगण: अमित राठौर, कृष्णा रहडवे

हम कुर्मी समाज की एक विशिष्ट एवं ऐतिहासिक उपजाति “ढोलेवार कुर्मी पटेल” हैं, जिनका प्रमुख निवास क्षेत्र मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, बैतूल, नर्मदापुरम (होशंगाबाद), हरदा तथा आसपास के अन्य क्षेत्रों में रहा है। हमारा समाज प्राचीन काल से कृषि-आधारित जीवनशैली, सामुदायिक संगठन तथा विशिष्ट सामाजिक परंपराओं के लिए जाना जाता रहा है। हम सदैव से कुर्मी समाज का अभिन्न अंग रहे हैं तथा हमारी पहचान, इतिहास और सामाजिक संरचना कुर्मी समुदाय के व्यापक सामाजिक ढाँचे के भीतर विकसित हुई है।

ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज की अपनी स्वतंत्र सामाजिक व्यवस्था, रीति-रिवाज, वैवाहिक परंपराएँ, सामुदायिक मान्यताएँ तथा गोत्र एवं उपनाम-आधारित संगठन-प्रणाली है। हमारे समाज में लगभग 21–24 प्रमुख उपनाम प्रचलित हैं, जिनके आधार पर वैवाहिक संबंधों का निर्धारण किया जाता है। यह व्यवस्था हमारे समाज की आंतरिक सामाजिक संरचना का महत्वपूर्ण अंग है और पीढ़ियों से चली आ रही है। हमारी विवाह-पद्धति, पारिवारिक परंपराएँ, सामाजिक निर्णय-व्यवस्था तथा सांस्कृतिक व्यवहार हमें अन्य समुदायों से स्पष्ट रूप से पृथक पहचान प्रदान करते हैं।

हमारे समुदाय में प्रचलित उपनामों में बेदरिया, बिन्जवा, चौधरी, चौहान, दढारिया, देवड़े, हरने, लोधी, मालपछाड़, मानकर, नागपुरे, पटवारी, पवार, पिपराज, रहडवे, राठौर, सावनेर, सोलंकी, सोनपुरे, सूर्यवंशी, टीकारे आदि शामिल हैं।

परंपरागत रूप से कृषि हमारा मुख्य व्यवसाय रहा है। भूमि से जुड़ाव, कृषि-कौशल तथा ग्रामीण समाज में सक्रिय भूमिका ने हमारे समुदाय को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाया है। मध्य प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में ढोलेवार कुर्मी पटेल परिवारों ने कृषि विकास, ग्राम संगठन तथा सामाजिक नेतृत्व में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। "पटेल" उपाधि भी अनेक क्षेत्रों में हमारे समाज के कृषक एवं ग्राम-नेतृत्व से जुड़े ऐतिहासिक दायित्वों का प्रतीक रही है।

समय-समय पर ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज और पवार (भोयर पवार) समाज के संबंध को लेकर भ्रम की स्थिति उत्पन्न की जाती रही है। इस विषय में हमारा स्पष्ट मत है कि हमारा पवार (भोयर पवार) समाज के साथ किसी प्रकार का जातीय, वंशगत, सांस्कृतिक अथवा सामाजिक संबंध नहीं है। दोनों समुदायों की उत्पत्ति, वंश-परंपरा, सामाजिक संरचना, उपनाम-व्यवस्था, विवाह-प्रणाली तथा सांस्कृतिक पहचान एक-दूसरे से पूर्णतः भिन्न हैं। जहाँ पवार (भोयर पवार) समाज में लगभग 72 उपनामों का उल्लेख मिलता है, वहीं ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज की अपनी स्वतंत्र उपनाम-व्यवस्था एवं सामाजिक संगठन-प्रणाली है। दोनों समुदायों की वंशावली-परंपराएँ,

सामाजिक मान्यताएँ तथा सामुदायिक विकास की ऐतिहासिक प्रक्रियाएँ भी अलग-अलग रही हैं।

ढोलेवार कुर्मी पटेल एवं पवार (भोयर पवार) समाज के संबंध में जो भ्रम समय-समय पर देखने को मिलता है, उसका प्रमुख कारण औपनिवेशिक काल में तैयार किए गए कुछ जातीय विवरणों में हुई त्रुटियाँ हैं। विशेष रूप से ब्रिटिश प्रशासनिक अधिकारी एवं जाति-जनजाति शोधकर्ता R. V. Russell द्वारा लिखित प्रसिद्ध ग्रंथ *The Tribes and Castes of the Central Provinces of India* में ढोलेवारों को त्रुटिवश भोयर की उपजाति के रूप में उल्लेखित किया गया। यही वह प्रमुख आधार है, जिससे बाद के वर्षों में कुछ लोगों के बीच भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई। किंतु यह उल्लेख स्वयं में किसी ऐतिहासिक, वंशावली अथवा सामाजिक प्रमाण का प्रतिनिधित्व नहीं करता। औपनिवेशिक काल के अनेक जातीय सर्वेक्षण सीमित जानकारी, स्थानीय सूचनाओं तथा प्रशासनिक वर्गीकरण पर आधारित थे, जिनमें कई समुदायों के संबंध में तथ्यात्मक त्रुटियाँ भी पाई जाती हैं।

वास्तविकता यह है कि आज तक ऐसा कोई प्रामाणिक ऐतिहासिक दस्तावेज, वंशावली-साक्ष्य, सामाजिक परंपरा, धार्मिक मान्यता अथवा सांस्कृतिक आधार प्रस्तुत नहीं किया गया है, जो ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज को पवार (भोयर पवार) समाज की उपजाति सिद्ध करता हो। इसके विपरीत, हमारे समाज की सामाजिक संरचना, वैवाहिक नियम, गोत्र-व्यवस्था,

पारिवारिक परंपराएँ तथा सामुदायिक इतिहास हमें कुर्मी समाज की एक स्वतंत्र उपजाति के रूप में स्थापित करते हैं।

हमारी ऐतिहासिक पहचान सदैव कुर्मी पटेल (ढोलेवार) के रूप में रही है। विभिन्न क्षेत्रों में हमारे समाज को स्थानीय स्तर पर ढोलेवार, ढोलेवार पटेल अथवा ढोलेवार कुर्मी पटेल के नाम से जाना जाता रहा है, किंतु हमारी मूल सामाजिक पहचान सदैव कुर्मी समाज से जुड़ी रही है। हम न तो कभी पवार (भोयर पवार) समाज की उपजाति रहे हैं और न ही हमारी सामुदायिक परंपराएँ, गोत्र-व्यवस्था अथवा सामाजिक संरचना उससे संबंधित रही हैं।

हाल के वर्षों में बैतूल एवं छिंदवाड़ा क्षेत्र के हमारे समाज के कुछ व्यक्तियों द्वारा "भोयर" अथवा "पवार" नाम को अपनी व्यक्तिगत जातीय पहचान के रूप में अपनाने की प्रवृत्ति देखने में आई है। इसके पीछे के कारण सामाजिक, प्रशासनिक, स्थानीय अथवा व्यक्तिगत हो सकते हैं, जिनका पृथक अध्ययन किया जा सकता है। किंतु किसी व्यक्ति या सीमित समूह द्वारा अपनाई गई पहचान को पूरे ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज की ऐतिहासिक पहचान अथवा सामूहिक मान्यता का प्रतिनिधि नहीं माना जा सकता। किसी भी समाज की वास्तविक पहचान उसके दीर्घकालीन इतिहास, सामूहिक परंपराओं, वंशावली-संरचना और सामाजिक स्वीकृति से निर्धारित होती है, न कि कुछ व्यक्तियों द्वारा समय-समय पर अपनाए गए वैकल्पिक नामों से।

हम पवार (भोयर पवार) समाज का पूर्ण सम्मान करते हैं और उसके स्वतंत्र सामाजिक अस्तित्व, इतिहास तथा सांस्कृतिक विरासत को स्वीकार करते हैं। प्रत्येक समाज की अपनी विशिष्ट पहचान, परंपराएँ और ऐतिहासिक विकास-यात्रा होती हैं। उसी प्रकार ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज की भी अपनी स्वतंत्र सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पहचान है, जिसे उसके वास्तविक स्वरूप में समझा और स्वीकार किया जाना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज के इतिहास, वंशावली-परंपराओं, सामाजिक संगठन, उपनाम-व्यवस्था तथा सांस्कृतिक विरासत का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण किया जाए, ताकि भविष्य की पीढ़ियाँ अपनी वास्तविक पहचान से परिचित रह सकें। अपनी गौरवशाली कृषि-परंपरा, सामाजिक मूल्यों, सामुदायिक एकता तथा कुर्मी समाज से जुड़े ऐतिहासिक संबंधों के साथ हम अपनी स्वतंत्र पहचान, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक इतिहास के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अतः यह स्पष्ट है कि ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज कुर्मी समुदाय की एक विशिष्ट एवं स्वतंत्र उपजाति है, जिसकी अपनी अलग सामाजिक संरचना, वंशावली-परंपरा, उपनाम-व्यवस्था, सांस्कृतिक पहचान और ऐतिहासिक विरासत है। हमारी पहचान को किसी अन्य समुदाय के साथ जोड़कर नहीं, बल्कि उसके वास्तविक ऐतिहासिक और सामाजिक संदर्भ में समझा और प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

Keywords: क्षत्रिय कुर्मी समाज संगठन, क्षत्रिय कुर्मी समाज, क्षत्रिय कुर्मी संगठन, कुर्मी समाज संगठन, कुर्मी समाज, कुर्मी संगठन, सूर्यवंशी कुर्मी समाज संगठन, सूर्यवंशी कुर्मी समाज, सूर्यवंशी कुर्मी संगठन, सूर्यवंशी कुर्मी भोयर समाज संगठन, सूर्यवंशी कुर्मी भोयर समाज, सूर्यवंशी कुर्मी भोयर संगठन, सूर्यवंशी भोयर समाज, सूर्यवंशी संगठन, कुर्मी भोयर समाज संगठन, कुर्मी भोयर समाज, कुर्मी भोयर संगठन, सूर्यवंशी कुर्मी पटेल समाज संगठन, सूर्यवंशी कुर्मी पटेल समाज, सूर्यवंशी कुर्मी पटेल संगठन, कुर्मी पटेल समाज संगठन, कुर्मी पटेल समाज, कुर्मी पटेल संगठन, पटेल समाज संगठन, पटेल समाज, पटेल संगठन, सूर्यवंशी भोयर पटेल समाज संगठन, सूर्यवंशी भोयर पटेल समाज, सूर्यवंशी पटेल कुर्मी संगठन,सूर्यवंशी कुर्मी भोयर पटेल समाज संगठन, सूर्यवंशी कुर्मी भोयर पटेल समाज, सूर्यवंशी कुर्मी भोयर पटेल संगठन, कुर्मी भोयर पटेल समाज संगठन, कुर्मी भोयर पटेल समाज, कुर्मी भोयर पटेल संगठन, ढोलेवार कुर्मी समाज संगठन, ढोलेवार कुर्मी समाज, ढोलेवार कुर्मी संगठन, सूर्यवंशी ढोलेवार कुर्मी समाज संगठन, सूर्यवंशी ढोलेवार कुर्मी समाज, सूर्यवंशी ढोलेवार कुर्मी संगठन, ढोलेवार समाज संगठन, ढोलेवार समाज, ढोलेवार संगठन, सूर्यवंशी ढोलेवार समाज संगठन, सूर्यवंशी ढोलेवार समाज, सूर्यवंशी ढोलेवार संगठन, ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज, ढोलेवार कुर्मी पटेल संगठन, ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज संगठन, सूर्यवंशी ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज, सूर्यवंशी ढोलेवार कुर्मी पटेल संगठन, सूर्यवंशी ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज संगठन, क्षत्रिय ढोलेवार कुर्मी समाज, क्षत्रिय ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज, क्षत्रिय सूर्यवंशी ढोलेवार कुर्मी समाज, क्षत्रिय सूर्यवंशी ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज, क्षत्रिय सूर्यवंशी कुर्मी समाज, क्षत्रिय सूर्यवंशी कुर्मी संगठन, क्षत्रिय सूर्यवंशी कुर्मी भोयर समाज, क्षत्रिय सूर्यवंशी कुर्मी पटेल समाज, क्षत्रिय सूर्यवंशी कुर्मी भोयर पटेल समाज, क्षत्रिय कुर्मी भोयर समाज, क्षत्रिय कुर्मी पटेल समाज, क्षत्रिय कुर्मी भोयर पटेल समाज, अखिल भारतीय कुर्मी समाज, अखिल भारतीय क्षत्रिय कुर्मी समाज, अखिल भारतीय सूर्यवंशी कुर्मी समाज, अखिल भारतीय कुर्मी भोयर समाज, अखिल भारतीय कुर्मी पटेल समाज, अखिल भारतीय कुर्मी भोयर पटेल समाज, अखिल भारतीय ढोलेवार कुर्मी समाज, अखिल भारतीय ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज, अखिल भारतीय सूर्यवंशी ढोलेवार कुर्मी समाज, अखिल भारतीय सूर्यवंशी ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज, राष्ट्रीय कुर्मी समाज, राष्ट्रीय क्षत्रिय कुर्मी समाज, राष्ट्रीय सूर्यवंशी कुर्मी समाज, राष्ट्रीय कुर्मी पटेल भोयर समाज, राष्ट्रीय कुर्मी पटेल समाज, राष्ट्रीय कुर्मी भोयर पटेल समाज, राष्ट्रीय ढोलेवार कुर्मी समाज, राष्ट्रीय ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज, राष्ट्रीय सूर्यवंशी ढोलेवार कुर्मी समाज, राष्ट्रीय सूर्यवंशी ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज, कुर्मी समाज महासंघ, क्षत्रिय कुर्मी महासंघ, सूर्यवंशी कुर्मी महासंघ, कुर्मी भोयर महासंघ, कुर्मी पटेल महासंघ, कुर्मी भोयर पटेल महासंघ, ढोलेवार कुर्मी महासंघ, ढोलेवार कुर्मी पटेल महासंघ, सूर्यवंशी ढोलेवार कुर्मी महासंघ, सूर्यवंशी ढोलेवार कुर्मी पटेल महासंघ, कुर्मी युवा संगठन, क्षत्रिय कुर्मी युवा संगठन, सूर्यवंशी कुर्मी युवा संगठन, ढोलेवार कुर्मी युवा संगठन, ढोलेवार कुर्मी पटेल युवा संगठन, कुर्मी समाज विकास संगठन, कुर्मी समाज सेवा संगठन, क्षत्रिय कुर्मी समाज सेवा संगठन, सूर्यवंशी कुर्मी समाज सेवा संगठन, ढोलेवार कुर्मी समाज सेवा संगठन, सूर्यवंशी ढोलेवार कुर्मी समाज सेवा संगठन, ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज सेवा संगठन, कुर्मी समाज इतिहास, कुर्मी पटेल समाज इतिहास, ढोलेवार कुर्मी इतिहास, ढोलेवार कुर्मी पटेल इतिहास, ढोलेवार समाज का इतिहास, कुर्मी वंशावली, ढोलेवार कुर्मी वंशावली, ढोलेवार कुर्मी पटेल वंशावली, कुर्मी गोत्र, ढोलेवार कुर्मी गोत्र, ढोलेवार कुर्मी पटेल गोत्र, कुर्मी उपनाम, ढोलेवार कुर्मी उपनाम, ढोलेवार कुर्मी पटेल उपनाम, कुर्मी संस्कृति, ढोलेवार कुर्मी संस्कृति, ढोलेवार कुर्मी परंपरा, ढोलेवार कुर्मी रीति-रिवाज, ढोलेवार कुर्मी विवाह प्रथा, ढोलेवार कुर्मी सामाजिक व्यवस्था, ढोलेवार कुर्मी सामाजिक पहचान, ढोलेवार कुर्मी समुदाय, मध्य प्रदेश कुर्मी समाज, मध्य प्रदेश कुर्मी पटेल समाज, मध्य प्रदेश ढोलेवार कुर्मी समाज, मध्य प्रदेश ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज, नरसिंहपुर कुर्मी समाज, नरसिंहपुर ढोलेवार कुर्मी समाज, छिंदवाड़ा ढोलेवार कुर्मी समाज, बैतूल ढोलेवार कुर्मी समाज, हरदा ढोलेवार कुर्मी समाज, नर्मदापुरम ढोलेवार कुर्मी समाज, बेदरिया, बिन्जवा, चौधरी, चौहान, दढारिया, देवड़े, हरने, लोधी, मालपछाड़, मानकर, नागपुरे, पटवारी, पवार, पिपराज, रहडवे, राठौर, सावनेर, सोलंकी, सोनपुरे, सूर्यवंशी, टीकारे, बेदरिया कुर्मी, बिन्जवा कुर्मी, चौधरी कुर्मी, चौहान कुर्मी, दढारिया कुर्मी, देवड़े कुर्मी, हरने कुर्मी, लोधी कुर्मी, मालपछाड़ कुर्मी, मानकर कुर्मी, नागपुरे कुर्मी, पटवारी कुर्मी, पवार कुर्मी, पिपराज कुर्मी, रहडवे कुर्मी, राठौर कुर्मी, सावनेर कुर्मी, सोलंकी कुर्मी, सोनपुरे कुर्मी, सूर्यवंशी कुर्मी, टीकारे कुर्मी, ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज का इतिहास, ढोलेवार कुर्मी पटेल वंशावली, ढोलेवार कुर्मी और भोयर में अंतर, ढोलेवार कुर्मी समाज की पहचान, ढोलेवार कुर्मी समाज की उत्पत्ति, ढोलेवार कुर्मी पटेल समुदाय, ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज संगठन मध्य प्रदेश, ढोलेवार कुर्मी समाज सम्मेलन, ढोलेवार कुर्मी महासभा, ढोलेवार कुर्मी परिषद, ढोलेवार कुर्मी कल्याण संगठन, ढोलेवार कुर्मी विकास परिषद, ढोलेवार कुर्मी सामाजिक मंच, ढोलेवार कुर्मी प्रतिभा सम्मान, ढोलेवार कुर्मी युवक-युवती परिचय सम्मेलन, ढोलेवार कुर्मी सामूहिक विवाह सम्मेलन, ढोलेवार कुर्मी सामाजिक एकता, ढोलेवार कुर्मी गौरव, ढोलेवार कुर्मी विरासत, ढोलेवार कुर्मी परंपरा और संस्कृति, ढोलेवार कुर्मी सामाजिक इतिहास, ढोलेवार कुर्मी पटेल सामाजिक संगठन, ढोलेवार कुर्मी पटेल महासभा, ढोलेवार कुर्मी पटेल परिषद, ढोलेवार कुर्मी पटेल कल्याण समिति, ढोलेवार कुर्मी पटेल विकास मंच, ढोलेवार कुर्मी पटेल युवा मंच, ढोलेवार कुर्मी पटेल महिला संगठन, ढोलेवार कुर्मी पटेल सामाजिक उत्थान, ढोलेवार कुर्मी पटेल शिक्षा प्रोत्साहन, ढोलेवार कुर्मी पटेल समाज सेवा, ढोलेवार कुर्मी पटेल सामाजिक एकजुटता, ढोलेवार कुर्मी पटेल गौरवशाली इतिहास, ढोलेवार कुर्मी पटेल सांस्कृतिक विरासत, ढोलेवार कुर्मी पटेल सामाजिक पहचान, ढोलेवार कुर्मी पटेल वंश परंपरा, ढोलेवार कुर्मी पटेल गोत्र व्यवस्था, ढोलेवार कुर्मी पटेल उपनाम सूची।